आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538

सेवा पाती

देप्स अब नवजीवन की ओर...

पढ़ें एक बेबस पिता की कहानी

[पेज - 5]

● मूल्य » ₹ 5/- ● वर्ष-02 ● अंक 16 ● मुद्रण तारीख » 1 अगस्त-2018 ● कुल पृष्ठ » 12

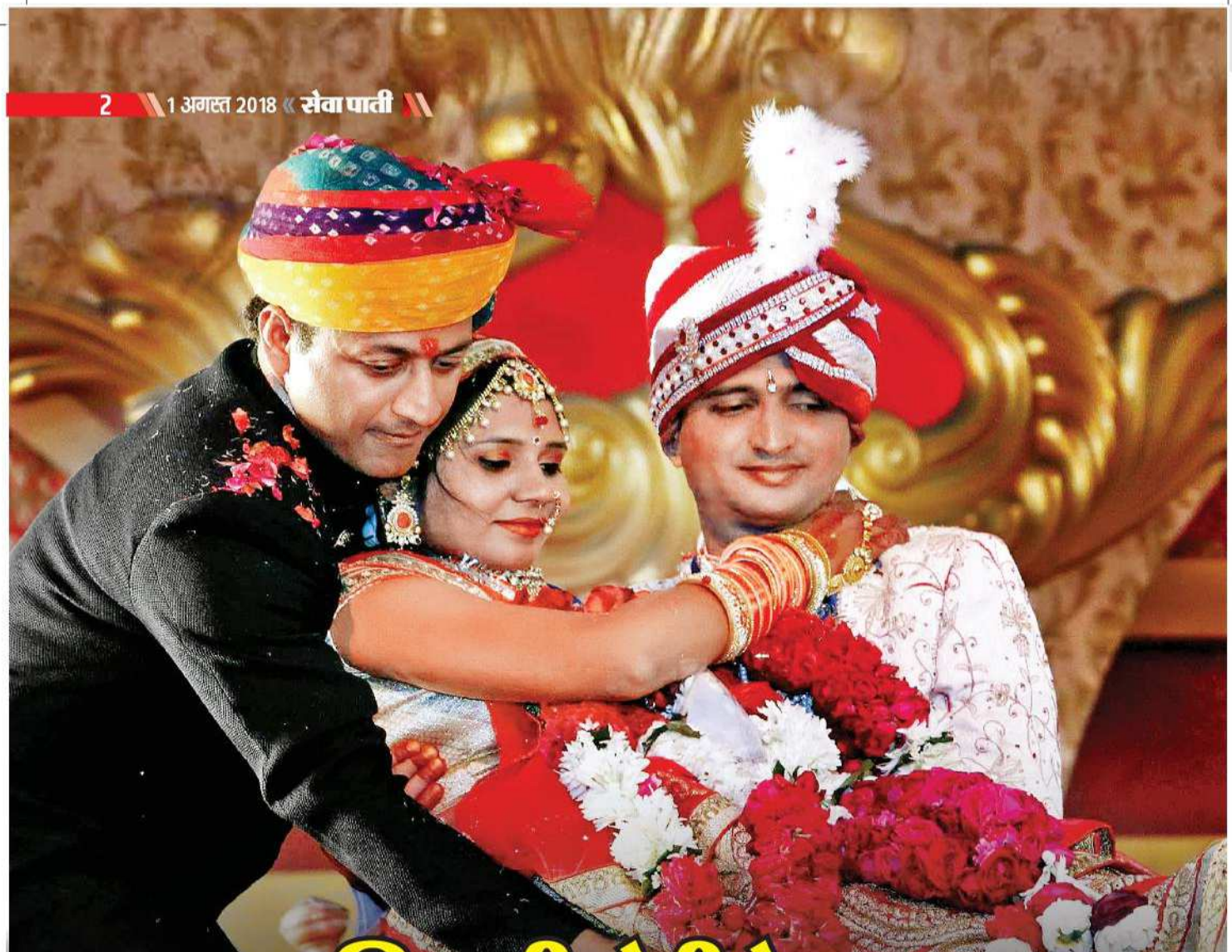

ज़िन्दगी होगी बेहतर जब आप करेंगे कन्यादान

विशाल निःशुल्क सर्वधर्म दिव्यांग तथा निर्धन सामूहिक विवाह

आयोजक : नारायण सेवा संस्थान एवं सेवा परमो धर्म ट्रस्ट

दिनांक : 8 व 9 सितम्बर, 2018 **स्थान : सेवामहातीर्थ, लियो का गुड़ा, उदयपुर**

निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह हेतु करें-सहयोग

पूर्ण कन्यादान (प्रति कन्या)	51,000/-	भोजन प्रसाद (100 सहयोगी अपेक्षित)	5,100/-
आंशिक कन्यादान (प्रति कन्या)	21,000/-	वेदी सहयोग (प्रति वेदी)	2,100/-
वर-वधू श्रृंगार पुण्य (प्रति जोड़ा)	11,000/-	मेहन्दी रस्म (प्रति जोड़ा)	2,100/-

/nssudaipur /narayansevasansthan /@narayanseva_ narayansevasansthan

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-
09649499999,0294-6622222

सेवा पाती

1 अगस्त, 2018

वर्ष 02 अंक 16 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 12

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल

सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल

डिजाईनर » विरेन्द्र सिंह राठौड

संपर्क (कार्यालय)

नारायण सेवा संस्थान

सेवा-पाती (मासिक पत्रिका)

मुद्रण तारीख 1 अगस्त, 2018

स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली-110006 से प्रकाशित तथा एम.पी. प्रिंटर्स नोएडा से मुद्रित।

Web » www.narayanseva.org

E-mail » info@narayanseva.org

CONTENTS

इस माह... पाठकों हेतु

नवजीवन आपके असीम सहयोग से मिला सहारा

05

- मीठे-मीठे संतरे
- सपना पूरा करने की जिद
- मिला जीने का सहारा
- देप्स अब नवजीवन की ओर...

दिव्य-2018 शिविरों के द्वारा असहायों को सहायता

07

- 86 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग वितरण
- क्लब फुट सर्जरी चयन शिविर
- दिव्यांग सहायता शिविर

अनुरोध दूर करें....पीड़ितों के दुःख-दर्द

08

- अविका, कोरबा
- नायरा सोनी, जयपुर
- श्रेया सिन्हा, गया
- स्नेह बेन, उधम सिंह नगर

सहयोग विविध सेवा प्रकल्प

09

- दान सहयोग अपील
- आत्मनिर्भर बनाने में-सहयोग
- संस्थान के एकाउन्ट नम्बर
- संस्थान के विभिन्न चैनल

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

मीठे-मीठे संतरे

जब हम दूसरों के हित को लेकर सोचने लगते हैं तो अपना हित स्वतः सिद्ध होता जाता है, क्योंकि परहित करने से मन को जो शान्ति प्राप्त होती है उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। फल विक्रेता, बूढी अम्मा, क्रेता युवक की परस्पर भावनाएं भी यही प्रकट करती है।

किसी नगर में एक चौराहे पर एक बूढ़ी औरत रोज़ एक टोकरी में संतरे बेचा करती थी। एक युवक अक्सर अपनी पत्नी के साथ वहाँ आता और बूढ़ी औरत से संतरे खरीदता था। वह उनमें से एक संतरे का एक टुकड़ा चखता और संतरे मीठे नहीं होने की शिकायत करता। बहसबाज़ी के दौरान वह बूढ़ी औरत को संतरा चखने के लिए कहता। बूढ़ी औरत संतरे का टुकड़ा खाती और कहती-बाबूजी, यह संतरा तो बहुत मीठा है, परंतु युवक नहीं मानता तथा वह अन्य संतरे लेकर वहाँ से चला जाता। उस बचे हुए संतरे को बाद में वह बूढ़ी औरत खाती। एक दिन उस युवक की पत्नी ने उससे कहा- ये संतरे तो हमेशा ही बहुत मीठे होते हैं, परंतु तुम बेवज़ह उसे बेचारी बूढ़ी औरत से शिकायत करते हो, ऐसा क्यों? तब उस युवक ने अपनी पत्नी को समझाते हुए कहा- वह बूढ़ी माँ जो संतरे बेचती है ना वह बहुत मीठे संतरे बेचती है, परंतु वह खुद कभी इन्हें नहीं खाती है और इस तरह मैं उसे संतरे खिला देता हूँ। एक दिन उस बूढ़ी औरत के पड़ौस में सब्जी बेचने वाली औरत ने पूछा-यह जिद्दी लड़का संतरे लेते समय इतनी झिक-झिक करता है और संतरे तोलते समय मैंने तुम्हें देखा है कि तुम हमेशा ही पलड़े में निर्धारित वज़न से ज़्यादा संतरे तोलकर देती हो। इस पर बूढ़ी औरत ने उत्तर दिया-उसकी झिक-झिक संतरे के लिए नहीं, अपितु मुझे संतरा खिलाने को लेकर होती है। वह नहीं समझता, परन्तु मुझे सब पता है। मैं सिर्फउसका प्रेम देखती हूँ, पलड़े में संतरे तो अपने आप बढ़ जाते हैं।

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

सपना पूरा करने की जिद

कभी - कभी ऐसा भी होता है कि व्यक्ति कठिन परिश्रम कर लक्ष्य तक पहुँचने वाला ही होता है कि कोई घटना-दुर्घटना उससे उसका सपना छीन लेती है,लेकिन जुलियो ने साबित किया कि मन यदि में लग्न ओर उत्साह हो तो कोई बाधा शिखर तक पहुँचने में रोड़ा नहीं बन सकती।

23 सितम्बर, 1943 को जन्मे जुलियो इग्लेसियस का बचपन से अपने पसंदीदा क्लब- रियल मेड्रिड की तरफ से फुटबॉल खेलने का सपना था। अभ्यास करते-करते वे अच्छे गोलकीपर बन गये। 20 वर्ष की उम्र तक आते-आते उनका सपना साकार होने के आसार बनने लगे। एक दिन उन्हें रियल मैड्रिड से खेलने के लिए अनुबंधित भी कर लिया गया। फुटबॉल के अनेक दिग्गज यह मान कर चल रहे थे कि जुलियो शीघ्र ही स्पेन के पहले दर्जे के गोलकीपर बन जाएंगे। 1963 की एक शाम को हुई भयानक कार-दुर्घटना ने जुलियो की ज़िन्दगी को पूरी तरह बदल कर रख दिया। रियल मेड्रिड और स्पेन का नंबर वन गोलकीपर बनने वाले जुलियो अस्पताल में थे। उनकी कमर से नीचे का हिस्सा पूरी तरह लकवाग्रस्त हो गया। जुलियो फिर कभी चल पाएँगे अथवा नहीं, इसके बारे में शंका थी। जुलियो जीवन से निराश हो चुके थे। 8 माह बिस्तर पर रहने वाले जुलियो की ज़िन्दगी तब फिर से पटरी पर लौटने लगी जब उन्हें एक नर्स ने गिटार भेंट किया। जुलियो ने गाने, कविताएँ लिखने के साथ गिटार बजाना और गाना सीखा। उसके पश्चात्, उन्होंने एक संगीत प्रतियोगिता में भाग लिया तथा शान्दार गीत गाकर प्रथम पुरस्कार जीता। आज वे विश्व के जाने माने गीतकार, संगीतकार, गायक और गिटार वादक हैं।

बंधुओं ! सपना पूरा नहीं हो पाने पर निराश होने की आवश्यकता नहीं, जीवन में आपके लिए अभी भी बहुत-कुछ बचा हुआ है। उसे हासिल करने की जिद को जारी रखिए।

सफल प्रयास

मिला जीने का सहारा

मूलतः बोकारो झारखंड के निवासी अनमोल की तबीयत जन्म के कुछ समय बाद से ही ख़राब रहने लगी। उसकी तबीयत दिन-ब-दिन बदतर होती चली गई। इस बात ने घरवालों को परेशान करके रख दिया। स्थिति की भयावता को देखते हुए उसके परिजन उसे बोकारो स्थित एक निजी अस्पताल लेकर गए जहाँ डॉक्टरों ने अनमोल की शारीरिक जाँच कर बताया कि उसके दिल में छेद है जिसका एकमात्र विकल्प उन्होंने ऑपरेशन बताया। उस पर करीब 88,565 रूपए का खर्चा आने का अनुमान लगाया गया। पहले ही गरीबी की मार झेल रहे दीपक कुमार के लिए इतना भारी खर्च अपने बलबूते पर उठाना असंभव था, क्योंकि दीपक कुमार एक निजी कंपनी में एक छोटी सी नौकरी करते हैं जहाँ से उन्हें मात्र 4000 रुपए की मासिक आय होती है। वे अपने 3 सदस्यी परिवार का गुजर बसर बड़ी मुश्किल से कर पाते हैं। उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि इस विकट स्थिति से कैसे पार पाया जाए। ईश्वर की कृपा देखिये कि अपने एक परिचित से उन्हें सेवा परमो धर्म ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न निशुल्क सेवा प्रकल्पों के बारे में जानकारी मिली। इस पर वे उदयपुर स्थित ट्रस्ट में आए तथा उन्होंने ट्रस्ट संस्थापक प्रशांत अग्रवाल से मिलकर उनको अपनी आर्थिक स्थिति एवं अनमोल के तेजी से गिरते स्वास्थ्य के बारे में अवगत कराया। श्री अग्रवाल ने ईलाज हेतु अनमोल को जयपुर के नारायण हृदयालय अस्पताल भिजवाया जहाँ अनमोल का सफलतापूर्वक ऑपरेशन संभव हो सका। अनमोल के ईलाज पर होने वाला समस्त खर्च सेवा परमो धर्म ट्रस्ट के माध्यम से दादा कान हसोमल लखानी द्वारा वहन किया गया। आज अनमोल स्वस्थ है।

देप्स अब नवजीवन की ओर...

मूलतः बरन जिले के निवासी बनवारी लाल के 9 माह के पुत्र देप्स हृदय रोग की गंभीर बीमारी से पीड़ित है। एक दिन अचानक देप्स की तबीयत ख़राब हो गई। इस पर उसके परिजनों ने उसे नजदीक के अस्पताल में दिखाया, परन्तु उस ईलाज से देप्स की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इस पर उसके परिजनों ने उसे एक बड़े अस्पताल में दिखाया जहाँ जाँच के दौरान पाया गया कि देप्स के दिल में छेद है। देप्स को साँस लेने में बहुत दिक्कत होती थी तथा बार-बार उसकी साँस फूलने लगती थी। डॉक्टरों के मुताबिक देप्स के बचने का एकमात्र विकल्प ऑपरेशन बताया गया जिस पर करीब 1,50,000 से 2,00,000 रूपए के बीच खर्चा आने का अनुमान लगाया गया। मजदूरी कर मात्र 3000 रुपए मासिक कमाने वाले बनवारी लाल के लिए इतना भारी-भरकम खर्च उठाना मुश्किल ही नहीं, अपितु असंभव था। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि ऐसी विकट परिस्थिति से कैसे पार पाया जाए। वे अपने परिवार का गुजारा बड़ी मुश्किल से कर पाते हैं। ईश्वर की अनुकम्पा से उन्हें टीवी के माध्यम से सेवा परमो धर्म ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न निशुल्क सेवा प्रकल्पों के बारे में जानकारी मिली। इस पर उन्होंने ट्रस्ट संस्थापक प्रशांत अग्रवाल से मिलकर अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति एवं अपने पुत्र की गंभीर बीमारी में अवगत कराया। श्री अग्रवाल ने ईलाज हेतु देप्स को जयपुर के नारायण हृदयालय अस्पताल भिजवाया जहाँ उसका ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। देप्स के ईलाज पर होने वाला समस्त खर्च सेवा परमो धर्म ट्रस्ट के माध्यम से दादा कान हसोमल लखानी द्वारा वहन किया गया। आज देप्स पूर्णतया स्वस्थ है तथा सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा है।

अपील

नई जिन्दगी का तोहफा दें...संतोष को

बिहार के मूल निवासी- कपिलदेव पासवान के पुत्र संतोष का धीरे-धीरे मुँह टेढ़ा होने लगा। शुरू में तो उसने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया, परन्तु उसे एक दिन कुछ अन्देशा हुआ। इस पर उसने डॉक्टर से अपनी शारीरिक जाँच करवायी जिसके दोरान पता चला कि उसे ब्रेन ट्यूमर है। इस दुःखद खबर ने मानो सभी परिजनों को तोड़कर रख दिया। नरेश का परिवार काफी गरीब है उसके छोटे-छोटे चार बच्चे हैं तथा परिवार में वह एकमात्र कमाने वाला सदस्य है। वह छोटी-मोटी मजदूरी कर अपने भरे-पूरे परिवार का बड़ी मुश्किल से लालन-पालन कर रहा है। स्थिति की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि नरेश के बीमार होने से शारीरिक क्षमता में तेजी से गिरावट आने लगी तथा वह कार्य करने में लगभग असक्षम हो गया जिससे उसके घर की आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो गई। वर्तमान में स्थिति यह हो गई है कि उसके पड़ौसी उसे चावल आदि देकर किसी तरह उसका एवं उसके परिवार का गुजारा कर रहे हैं। डॉक्टरों ने ईलाज होने का विश्वास तो दिलाया है परन्तु साथ ही ईलाज पर दो लाख रूपये की राशि ईलाज पर खर्च होने की संभावना भी जताई है। नरेश जैसे अत्यन्त गरीब व्यक्ति के लिए अपने बलबूते पर इतनी भारी भरकम राशि की व्यवस्था करना मुश्किल ही नहीं, अपितु नामुमकिन है। नरेश ने 'सेवा परमो धर्म ट्रस्ट' से मदद की गुहार लगाई है। अतः आप समस्त दानवीर भामाशाहों से सविनम्र प्रार्थना है कि खुले हृदय से आगे आकर नरेश के ईलाज हेतु अपने ईच्छा एवं सामर्थ्य के अनुसार ट्रस्ट को आर्थिक सहयोग प्रदान कर उसके ईलाज करवाने में मदद करें। यह सुनिश्चित है कि आपश्री के स्तर पर प्रदान किये जाने वाले आर्थिक सहयोग से न सिर्फ आप, अपितु आपश्री के प्रत्येक परिजन को परमपिता परमेश्वर का आशीर्वाद एवं नरेश की दुआएं जीवनपर्यन्त प्राप्त होती रहेंगी।

संक्रमण से उबरेगा संतोष

बिहार के जमयु कस्बे के मूल निवासी संतोष पाण्डे पिछले लगभग 5 वर्षों से लीवर में संक्रमण से ग्रस्त हैं। उन्हें जब पेट संबंधी समस्या उत्पन्न हुई तो उन्होंने कई अस्पतालों में अपनी जाँच करवाई, परन्तु उनका स्वास्थ्य दिन-ब-दिन गिरता चला गया। इससे उसके घरवालों को अत्यधिक चिन्ता हुई। इस पर उन्होंने शहर के एक बड़े निजी अस्पताल में संतोष की जाँच करवाई जहाँ उन्हें मालूम पड़ा कि संतोष के लीवर में संक्रमण है। डॉक्टरों के अनुसार उसके लीवर का अधिकांश भाग खराब हो चुका है तथा उसकी जान बचाने का एकमात्र विकल्प ऑपरेशन बताया गया जिस पर करीब 50 हजार रूपये खर्च आने का अनुमान लगाया गया है। यदि समय पर संतोष को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो पाती है तो उसकी जान भी जा सकती है। संतोष की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं कि वह अपने बलबूते पर स्वयं का ईलाज करा सके, क्योंकि वह काफी गरीब परिवार से है तथा उसके बुजुर्ग पिता, पत्नी एवं तीन बच्चों का परिवार है। घर में संतोष ही अकेला कमाने वाला है, परन्तु खराब स्वास्थ्य के चलते वह कार्य नहीं कर पा रहा है। ऐसी विषम परिस्थिति में संतोष ने नारायण सेवा संस्थान-सेवा परमो धर्म ट्रस्ट से मदद कर उसे और उसके परिवार को बचाने के लिए सम्पर्क किया। ट्रस्ट अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने परिवार की स्थिति और बीमारी की जटीलता को देखते हुए दानवीर भामाशाहों के माध्यम से ईलाज के लिए वांछित राशि स्वीकृत की। अब वह ईलाज करवाकर न केवल अपने लिये नई जिन्दगी हासिल करेगा बल्कि दुःखी परिवार को हौसला भी देगा।

चिकित्सा शिविर

शिविरों के द्वारा असहायों को सहायता

86 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग वितरण

कैथल | नारायण सेवा संस्थान की कैथल (हरियाणा) शाखा की ओर से 24 जून को दिव्यांगजन के लिए 'निःशुल्क' सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया। हनुमान वाटिका में आयोजित इस शिविर में 86 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग वितरित किए गए। संस्थान के डॉ. नाथू सिंह व टेक्नीशियन भंवर सिंह की टीम ने जाँच कर 63 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग (हाथ-पाँव) व 23 को केलिपर आदि सहायक उपकरण 'निःशुल्क' प्रदान किए गए। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि आर.के.एस.डी समूह के एडवाईजर प्रो. एल. एम. बिन्दलिश ने किया। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान कैथल शाखा के संयोजक श्री सतपाल मंगला ने किया। विशिष्ट अतिथि श्री सुमेर सिंह जी चौधरी,श्री नवीन जी खुरानिया, श्री पुरुषोत्तम जी सिंगला,श्रीमती मंजू जी बिन्दलिश व श्री धर्मपाल जी गर्ग भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

क्लब फुट सर्जरी चयन शिविर

गुना | नारायण सेवा संस्थान एवं मध्यप्रदेश के गुना जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में गुना के रेडक्रास चिकित्सालय में 24 जून को क्लब फुट चयन शिविर लगाया गया, जिसमें कुल पंजीकृत 85 में से 61 का निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन किया गया। संस्थान के डॉ. विशाल शिन्दे व उनकी टीम ने चयन कार्य किया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि लॉयन्स क्लब के अध्यक्ष रवीन्द्र जैन ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. पी. जैन, डॉ सुधीर राठौड़, श्री ई. थॉमस, डॉ. योगेश व सीएमएचओ डॉ. रामवीर सिंह रघुवंशी थे। डॉ. मोहन सिंह राजपूत, डॉ कपिल रघुवंशी, डॉ. रवि सोनी, डॉ नीरज भदोरिया, डॉ. अशोक बरसेना, डॉ. नीलकमल शाक्य और डॉ. अमित जायसवाल ने बच्चों की जाँच व चयन में सहयोग किया। संस्थान के वरिष्ठ साधक श्री मुकेश त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया।

दिव्यांग सहायता शिविर

शामली | नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में एवं माता आनन्दमयी देवी कृपा सेवा समिति के सौजन्य से शामली (उ.प्र) में दिव्यांगजन की सहायतार्थ एवं पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए 1 जुलाई, 2018 को वीवी इंटर कॉलेज में 'निःशुल्क' चयन एवं सहायता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन श्रीमती संतोष देवी व डॉ सुभाषचन्द्र शर्मा ने माता आनन्दमयी के चित्र के सामने दीप प्रज्जवलन कर किया। शिविर में 46 दिव्यांगजन का चयन नारायण सेवा संस्थान में निशुल्क सर्जरी के लिए किया गया। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रुप में श्री विकास गर्ग, श्री शिव कुमार गुप्ता, श्री सुनील गोयल, श्री अरविन्द संगल, श्री अंकित गोयल, श्री अशोक कुमार, श्री हरि प्रकाश शर्मा, श्री सुनील गर्ग, डॉ उमंग अग्रवाल, श्री अमित गर्ग, श्री संजय संगल, श्री नीतिश गर्ग व प्रतीक गर्ग थे। शिविर में 16 ट्राई साइकिल, 2 व्हील चेयर, 2 वॉकर, 35 जोड़ी बैसाखी दर्जनों श्रवण यंत्र एवं 25 ब्लाइंड स्टिक भी वितरित की गई।

दूर करें....पीड़ितों के दुःख-दर्द

गंभीर बीमारियों से ग्रसित बाल एवं युवा मरीज अपनी बीमारी का ईलाज कराने हेतु संस्थान में आते हैं। ऐसे 4 मरीज संस्थान में पहुँचे हैं। उनकी वर्तमान स्थिति गंभीर है। उन्हें आपकी मदद की सख्त आवश्यकता हैं। आपश्री से प्रार्थना है कि स्वेच्छा से दान के माध्यम से संस्थान को सहयोग प्रदान कर इन मरीजों की जान बचाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। धन्यवाद्...

इन मरीजों का जीवन बचाएं...समस्त परिजन इनकी गम्भीर बीमारी से चिंतित हैं।

अविका
6 वर्ष
कोरबा (छ.ग.) — किडनी

नायरा सोनी
6 वर्ष
जयपुर, (राज.) — लेजर सर्जरी

श्रेया सिन्हा
5 वर्ष
गया, (बिहार) — प्लास्टिक सर्जरी

स्नेह बेन
13 वर्ष
उधम सिंह नगर, (उ.ख.) — ह्रदय रोग

विविध सेवा प्रकल्प हेतु दान- सहयोग की अपील

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ, पुण्यतिथि को बनायें यादगार..
जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशन हेतु सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

दवाई सहयोग प्रतिदिन

1 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	1,100/-	51 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	56,100/-
11 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	12,100/-	101 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	1,11,100/-
21 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	23,100/-	501 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	5,51,100/-

आपका यह सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड में जायेगा जिसका उपयोग निःशक्त जनों की सेवा में होगा

आजीवन संरक्षक राशि	51,000/-	आजीवन सदस्य राशि	21,000/-

सहमति-पत्र के साथ कृपया अपनी करूणा-सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) ▶.....सहयोग मद ▶ .....

उपलक्ष्य में/स्मृति मे ▶.....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रूपये ▶.....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप

..... दिनांक ▶.....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता ▶.....

.....

.....

.....

जिला .....पिन कोड .....राज्य .....

मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान-सहयोग प्रदान करें।

अगस्त-2018

हस्ताक्षर

अपंग, अनाथ, विधवा, वृद्ध एवं वंचितजन की सेवा में सेवारत्

दिव्यांगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं।
आप श्री से प्रार्थना है कि अपना सहयोग प्रदान करावें।

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

50 रोगियों की आजीवन भोजन/नाश्ता मित्ती

वर्ष में एक दिन दोनों समय की आजीवन भोजन मित्ती सहयोग राशि	30,000/-
वर्ष में एक दिन एक समय की आजीवन भोजन मित्ती सहयोग राशि	15,000/-
वर्ष में एक दिन की आजीवन नाश्ता मित्ती सहयोग राशि	7,000/-

आजीवन लालन-पालन योजना 1,00,000/-

आप बन सकते हैं किसी अनाथ निर्धन बच्चे के आजीवन पालनहार 1 लाख रूपयों का अनुदान करके। (एक बच्चा 18 वर्ष तक की आयु तक अथवा 18 वर्ष के बाद भी संस्थान के सानिध्य में रह सकेगा)

दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकल	4,500	13,500	22,500	49,500
व्हील चेयर	3,500	10,500	17,500	38,500
केलिपर्स	1,800	5,400	9,000	19,800
वैषाखी	550	1,650	2,750	6,050

निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह हेतु करें-सहयोग	
पूर्ण कन्यादान (प्रति कन्या)	51,000/-
आंशिक कन्यादान (प्रति कन्या)	21,000/-
वर-वधू श्रृंगार पुण्य (प्रति जोड़ा)	11,000/-
भोजन प्रसाद (100 सहयोगी अपेक्षित)	5,100/-
वेदी सहयोग (प्रति वेदी)	2,100/-
मेहन्दी रस्म (प्रति जोड़ा)	2,100/-

कृत्रिम अंग सहयोग राशि	
उपकरण	रूपये
कृत्रिम अंग	10,000/-

प्रति निःशक्त शिविर	
सहयोग राशि	1,51,000/-

राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स निर्माण	
भूदानी सहयोग राशि	51,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
Allahabad Bank	3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS Bank	Uit Circle	UTIB0000097	097010100177030
Bank of India	H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
Bank of Baroda	H.M, Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Toran Bawdi, City Station Road, Udaipur	MAHB0000831	60195864584
Canara Bank	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
Kotak Mahindra Bank	8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YesBank	Goverdhan Plaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- आस्था 9.00 am - 9.20 am, 7.40 pm - 7.55 pm
- संस्कार 7.50 pm - 8.10 pm
- आस्था 7.40 am - 8.00 am
- जी.टी.वी. 5.00 am - 6.00 am
- पारस टी.वी. 4.20 pm - 4.38 pm
- अरिहन्त 7.30 pm - 7.50 pm
- (सत्संग) 7.10 pm - 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- संस्कार 7.40 pm - 8.00 pm
- आस्था (यू.के/यू.एस.ए.) 8.30 am - 8.45 am
- जी.टी.वी. 8.30 am - 8.45 am
- एम.ए.टी.वी. (यू.के) 8.30 am - 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- JUS PUNJABI 4.30 pm - 4.40 pm (Sat-Sun only)
- APAC 8.30 am - 9.00 am
- SOUTH AFRICA 8.00 am - 8.30 am (CAT)
- UK 8.30 am - 9.00 am
- USA 7.30 am - 8.00 am (ET)
- MIDDLE EAST 8.30 am - 9.00 am (UAE)

सेवा-पाती (मासिक पत्रिका) मुद्रण तारीख 1 अगस्त, 2018, आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538, पोस्टल रजिस्ट्रेशन संख्या DL (DG-II)/8087/2017-2019 (प्रेषण तिथि हर माह की दिनांक 2 से 8 दिल्ली आर.एम.एस. दिल्ली डाकघर) स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली-110006 से प्रकाशित तथा एम.पी. प्रिंटर्स नोयडा से मुद्रित। मुद्रित संख्या 2,00,000 (मूल्य) 5 रूपये

आवासीय बालगृह

संस्थान द्वारा ऐसे मूक-बधिर, मंदबुद्धि बालकों को निःशुल्क शिक्षा, संस्कार, खेल, भोजन, आवास आदि जैसी सुविधाएँ प्रदान कर लालन-पालन किया जा रहा है जिनका इस दुनिया में कोई नहीं है। सेवा के इस महायज्ञ में आपश्री भी दान की आहूति देकर पुण्य का लाभ अर्जित करें।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

पीड़ित मानवता की सेवा से बढ़कर.... कोई मानव धर्म नहीं। 0294-6622222